डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 23.56 लाख की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर में 75 वर्षीय एक बुजुर्ग को डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर 23.56 लाख रुपये ठगने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश कर जयपुर साइबर क्राइम पुलिस ने इस मामले में मुख्य खाताधारक और तीन अन्य सहयोगियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था और अब पुलिस ने इस गैंग के मुख्य सरगना को भी कर्नाटक के बेंगलुरु शहर से दबोच लिया है। इस गिरोह का जाल देश के कई बड़े शहरों तक फैला था।

कैसे दिया डिजिटल अरेस्ट का झांसा:- एसपी साइबर क्राइम शांतनु कुमार ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि यह मामला 23 मई 2025 का है, जयपुर के एक बुजुर्ग को एक अज्ञात मोबाइल नंबर से कॉल आया। फोन करने वाले ने खुद को मुंबई पुलिस का अधिकारी संजय कुमार बताया और कहा कि उनके नाम से खरीदे गए एक मोबाइल का इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग और अश्लील मैसेज भेजने में हुआ है। उसने दावा किया कि उनके खाते में 2.80 करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग हुई है और उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हो चुका है। ठग ने पीड़ित को डराने के लिए उसे कथित सीबीआई अधिकारी रोहित कुमार गुप्ता से बात करवाई और व्हाट्सएप वीडियो कॉल पर एक अदालत का नकली दृश्य भी दिखाया, जिसमें न्यायाधीश गिरफ्तारी के आदेश देते दिख रहे थे। इस जाल में फंसकर पीड़ित ने 26 मई 2025 को अपनी जीवन भर की कमाई में से 23.56 लाख रुपये ठगों द्वारा बताए गए बैंक खाते में ट्रांसफर कर दिए।

पुलिस की शानदार कार्रवाई:- साइबर क्राइम पुलिस थाना पर मामला दर्ज होते ही पुलिस अधीक्षक शांतनु कुमार और उप पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार मेवानी के नेतृत्व में जांच शुरू की गई। पुलिस ने तुरंत उस बैंक खाते का विश्लेषण किया, जिसमें पैसे ट्रांसफर हुए थे। यह जानकर हैरानी हुई कि 26 मई को एक ही दिन में उस खाते में विभिन्न व्यक्तियों से लगभग 3 करोड़ रुपये आए और तुरंत दूसरे खातों में भेज दिए गए।

पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मुख्य खाताधारक सुरेश कुमार जाट उर्फ सुरेंद्र निवासी झुंझुनूं हाल दिल्ली को 30 मई को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया।

अंतर्राज्यीय नेटवर्क का खुलासा:- सुरेंद्र की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई और इस ठगी में शामिल उसके तीन और सहयोगियों को भी ढूंढ आरोपी ओमप्रकाश उर्फ नितेश निवासी श्रीगंगानगर वंशुल उर्फ आर्यन उर्फ प्रवीण निवासी चूरू और भूपेश फगेड़िया निवासी झुंझुनूं को

प्रोडक्शन वारंट पर सोनीपत जेल से गिरफ्तार कर लिया। अनुसन्धान के बाद तीनों को जेल भेज दिया गया।

इन चारों से पूछताछ में सामने आया कि इस गिरोह का सरगना सनी

- **देशभर में फैला था ठगों का जाल, मुख्य खाताधारक पहले ही हो चुका है गिरफ्तार**

पूर्व आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा का भांजा विजय कुमार डामोर गिरफ्तार

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 से सम्बन्धित दर्ज प्रकरण में पूर्व आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा का भांजा विजय कुमार डामोर को गिरफ्तार किया है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एटीएस और एसओजी वीके सिंह ने बताया कि एसओजी ने कार्रवाई करते हुए उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 से सम्बन्धित दर्ज प्रकरण में पूर्व आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा का भांजा विजय कुमार डामोर निवासी डूंगरपुर जिला डूंगरपुर को गिरफ्तार किया है। जो पूर्व आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा के अजमेर स्थित राजकीय निवास पर उनके निवास पर रहता था। आरोपित विजय कुमार डामोर ने उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 में आवेदन किया था। जहां तत्कालीन आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा के पास उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 की होने वाली लिखित परीक्षा के प्रश्न पत्रों में उत्तर कुंजी तैयार करवाने की जिम्मेदारी थी। आरोपित बाबूलाल कटारा ने पुलिस उप निरीक्षक भर्ती

- **उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा मामला में विजय कुमार डामोर से एक लाईनदार रजिस्टर में तीनो दिवस के प्रश्न उत्तरों की नकल करवाई**

परीक्षा 2021 की लिखित परीक्षा से करीब 35 दिन पूर्व तीनों दिवस की लिखित परीक्षा के प्रश्न उत्तर पेपर सेट अपने सरकारी आवास पर लेकर आये एवं आरोपित विजय कुमार डामोर से एक लाईनदार रजिस्टर में तीनो दिवस के प्रश्न उत्तरों की नकल करवाई तथा उक्त रजिस्टर की अन्य प्रतियां तैयार करवाकर अन्य आरोपियों को दी।

वहीं मूल रजिस्टर उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 की लिखित परीक्षा की तैयारी करने के लिये आरोपित विजय कुमार डामोर को दे दिया। जिससे तैयारी कर विजय कुमार डामोर ने पुलिस उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 की लिखित परीक्षा दी। जिसे जांच पड़ताल करते हुए गिरफ्तार किया गया है।

सार-समाचार

डॉक्टर्स म्यूजिक प्रीमियर लीग सीजन 4 के ऑडिशन सम्पन्न

जयपुर। मेडिकोज सोशल एंड वेलफेयर सोसाइटी के द्वारा चिकित्सकों के लिए गायन प्रतियोगिता डॉक्टर्स म्यूजिक प्रीमियर लीग सीजन 4 का आयोजन किया जा रहा है ।प्रतियोगिता के संयोजक डॉ संदीप निझावन ने बताया कि डी. एम.पी.एल. के चौथे संस्करण का ऑडिशन राउंड जेएमए सभागार में सम्पन्न हुआ। डॉक्टर्स ने बरखा के इस मौसम में बूँदों के संगीत पर अपने गीतों से फुलवारी खिलाई। लीग चेयरमैन डॉ संजीव गुप्ता ने बताया कि ऑडिशन के निर्णायक डॉ वंदना खुराना ,डॉ प्रतिष्ठा परीक ,डॉ सत्यवती शर्मा ,डॉ नीलम सैन,पं हेमन्त भट्ट व दीपक माथुर थे । लीग ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ अनिल यादव ने इस प्रतियोगिता के अगले कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 25 से 27 जुलाई को डी.एम. पी.एल. का टीम इवेंट राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर जयपुर में आयोजित किया जाएगा। लीग चीफ कॉर्डिनेटर डॉ रवींद्र सिसोदिया ने बताया कि टीमें बनाने के लिए गायकों का ऑक्शन दिनांक 13 जुलाई को आयोजित किया जाएगा जिसमें आठ फ्रेंचाइज़ी हॉस्पिटल्स, वर्चुअल बोली के माध्यम से अपनी-अपनी टीमों का चुनाव करेंगे। चीफ कोर्डिनेटर डॉ हर्षुल टाक ने जानकारी दी कि प्रतियोगिता के दौरान एकल जुगलबंदी, लाइमलाइट राउंड , दबंग व मलंग परफॉर्मेंस जैसे कई रोचक प्रारूप/फॉर्मेट देखने को मिलेंगे।

अब धान की फसल को मिलेगा डबल सुरक्षा कवच

जयपुर। धान की फसल के सबसे नाज़ुक समय में जब कीट हमला करते हैं, तो किसान की पूरी मेहनत पर पानी फिरने की नौबत आ जाती है। लेकिन, अब इस मुश्किल से निपटने के लिए कोर्टेवा एग्रीसाइंस ने डेलाडैक्सिन नाम की एक दमदार कीटनाशक दवा लॉन्च की है, जो खास तौर पर ब्राउन प्लांटहॉपर (बीपीएच) और स्टेम बोरर जैसे कीटों से निपटने में कारगर है डेलाडैक्सिन फसल के उस चरण पर असर दिखाता है, जब पौधा फूल देने की तैयारी में होता है और कीटों का हमला सबसे ज्यादा होता है। इसका डुअल-एक्शन फॉर्मूला पौधों को मुरझाने से बचाता है, बालियों के सही विकास में मदद करता है और दानों को सुरक्षित रखता है। इस दवा की एक खास बात यह है कि यह लंबे समय तक असर दिखाती है और इंटीग्रेटेड पेस्ट मैनेजमेंट (आईपीएम) के अनुकूल भी है। यानि किसान जरूरत के मुताबिक दवा डाल सकते हैं और ज्यादा केमिकल के इस्तेमाल से बच सकते हैं, जिससे ज़मीन भी स्वस्थ रहती है। कोर्टेवा ने इसके साथ ही हिबीफेन नाम की दूसरी दवा भी लॉन्च की है, जो लीफ फोल्डर और बीपीएच जैसे कीटों को शुरुआती स्टेज पर रोकने में मदद करती है। कंपनी किसानों को फील्ड डेमो और ट्रेनिंग के जरिए इन दवाओं का सही इस्तेमाल भी सिखाएगी, ताकि फसल की रक्षा हो और मुनाफा भी बढ़े।

खरीदारी करने के लिए बाजार जा रहे चाचा-भतीजे को टैंकर ने मारी टक्कर

जयपुर। बगरू इलाके में बाइक से मंगलवार को खरीदारी करने के लिए बाजार जा रहे चाचा-भतीजे को गलत दिशा से आ रहे टैंकर ने टक्कर मार दी। इस हादसे में दोनों की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। मामले की जांच पड़ताल सड़क दुर्घटना थाना (पश्चिम)कर रही है। जांच अधिकारी एएसआई छोटे लाल ने बताया कि नागौर जिले के जायल हाल चिराटा गांव बगरू निवासी मुकेश (33) अपने भतीजे दीपेश (18) मंगलवार सुबह खरीदारी करने के लिए घर से बाइक लेकर बगरू बाजार की ओर से जा रहे थे। इसी दौरान बगरू रीको एरिया में सारण धर्मकांटा के पास ट्रक टैंकर ने गलत दिशा में आ रही उनकी बाइक को सामने से टक्कर मार दी। इस हादसे के बाद टैंकर को मौके पर छोड़कर चालक फरार हो गया। सूचना पर पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने गंभीर घायल हालत में चाचा-भतीजे को बगरू सीएससी पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने टैंकर को जब्त कर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

अधिशाषी अभियंता (सिविल) तीस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की भरतपुर टीम ने कार्रवाई करते हुए कार्यालय राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम जिला भरतपुर के अधिशाषी अभियंता (सिविल) अवनीश सोनी को 30 हजार रुपये (5 हजार रुपये भारतीय चलन मुद्रा एवं 25 हजार डमी रुपये) रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी भरतपुर टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि संवेदक द्वारा किये गये कार्यों के बिल पास करने की एवज में अधिशाषी अभियंता (सिविल) अवनीश सोनी 15 हजार रुपये रिश्वत की मांग कर रहा है जिसका सत्यापन करवाया गया तो मांग को बढ़ाकर 36 हजार रुपये कर दिया गया है और 30 हजार फिर रुपये लेने पर सहमत हो गया है। जिस पर एसीबी भरतपुर टीम के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित सिंह के नेतृत्व में ट्रेप की कार्रवाई करते हुए अधिशाषी अभियंता (सिविल) अवनीश सोनी को 30 हजार रुपये (5 हजार रुपये भारतीय चलन मुद्रा एवं 25 हजार डमी रुपये) की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकडा गया है।

बीएसएनएल के सेंट्रलाइज्ड नेटवर्क ऑपरेशन सेंटर का उद्घाटन

जयपुर। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) राजस्थान परिमंडल के मुख्य महाप्रबंधक विक्रम मालवीय जी के द्वारा बीएसएनएल राजस्थान सेंट्रलाइज्ड नेटवर्क ऑपरेशन सेंटर का उद्घाटन मिर्जा इस्माइल रोड स्थित बीएसएनएल कार्यालय, जयपुर में किया गया।

मुख्य महाप्रबंधक मालवीय ने अपने संबोधन में कहा कि, ''यह केंद्र बीएसएनएल की सेवाओं को अधिक सशक्त, प्रभावशाली एवं उत्तरदायी बनाएगा। इससे तकनीकी समस्याओं का समाधान त्वरित रूप से किया जा सकेगा तथा उपभोक्ताओं को और भी बेहतर सेवा अनुभव प्राप्त होगा।''

इस अवसर पर जयपुर जिले के समस्त वरिष्ठ अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। यह सेंट्रलाइज्ड नेटवर्क ऑपरेशन सेंटर बीएसएनएल राजस्थान के नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर की एकीकृत निगरानी, प्रबंधन एवं नियंत्रण हेतु स्थापित किया गया है। इस केंद्र की स्थापना से पूरे राज्य की प्रमुख दूरसंचार सेवाओं का संचालन अब एक ही स्थान से सुनिश्चित किया जा सकेगा।

सेंट्रलाइज्ड नेटवर्क ऑपरेशन सेंटर के माध्यम से बीएसएनएल न केवल नेटवर्क की रियल-टाइम मॉनिटरिंग कर सकेगा, बल्कि संभावित तकनीकी समस्याओं की पूर्व सूचना प्राप्त कर समय रहते समाधान भी सुनिश्चित कर पाएगा।

कार्यप्रणाली में सुधार के लिए फॉल्ट रेक्टिफिकेशन टीमों की जांच

जयपुर। जयपुर डिस्कॉम में विद्युत उपभोक्ताओं की 'नो करंट' से संबंधित शिकायतों के निवारण के लिए ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर के निर्देश पर एफआरटी (फॉल्ट रेक्टिफिकेशन टीम) की कार्यप्रणाली की मंगलवार को आकस्मिक जांच की गई। डिस्कॉम के 18 सर्किलों के 232 सब डिविजनों में कार्यरत 340 एफआरटी वाहनों की जांच के लिए मुख्यालय से अभियंताओं को एकाएक टास्क दे दिए गए। डिस्कॉम चेयरमैन सुआरती डोगरा के दिशा-निर्देशन में संचालित इस कार्यवाही को पूरी तरह गोपनीय रखा गया। वरिष्ठ अधिकारियों के वॉट्सएप ग्रुप पर प्रात: 10 बजकर 36 मिनट पर संदेश के जरिए सभी को आकस्मिक निरीक्षण के निर्देश दिए गए।

अलग सब डिविजन के सहायक अभियंता को दी जिम्मेदारी:- प्रत्येक एफआरटी वाहन की जांच के लिए संबंधित सब डिविजन से अलग सब डिविजन के सहायक अभियंता को निरीक्षण की जिम्मेदारी दी गई। यह साफ हिदायत दी गई कि जांच के लिए

- **जांच के लिए अभियंता दो घंटे के भीतर एफआरटी टीम की लोकेशन पर पहुंचें। गूगल शीट में भरकर दोपहर बाद तक जांच रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए**
- **पहली बार सम्पूर्ण डिस्कॉम स्तर पर निरीक्षण किया गया है। जांच में सभी गाड़ियां संचालित मिली।**

अभियंता दो घंटे के भीतर एफआरटी टीम की लोकेशन पर पहुंचें। गूगल शीट में भरकर दोपहर बाद तक जांच रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए।

प्रत्येक एफआरटी वाहन में एक वाहन चालक, एक लाइनमैन तथा दो हैल्पर होते हैं। जयपुर डिस्कॉम ने एफआरटी व्यवस्था को कांट्रेक्ट पर दे रखा है। प्रत्येक टीम के साथ आवश्यक सुरक्षा उपकरण, प्रत्येक सदस्य की यूनिफॉर्म तथा परिचय पत्र के साथ उपस्थिति की जांच की गई।

डिस्कॉम स्तर पर पहली बार इतना व्यापक निरीक्षण:- जयपुर डिस्कॉम में उपभोक्ता की बिजली सप्लाई से संबंधित शिकायतों को दूर करने की यह व्यवस्था 2016 से संचालित है। पहली बार सम्पूर्ण डिस्कॉम स्तर पर निरीक्षण किया गया है। जांच में सभी गाड़ियां संचालित मिली। लेकिन कई वाहनों में जीपीएस, सेफ्टी टूल्स, स्मार्ट फोन नहीं होने के साथ ही कार्मिकों के कम होने, यूनिफॉर्म में नहीं होने की कमियां पाई गई हैं। डिस्कॉम्स चेयरमैन सुआरती डोगरा ने बताया कि उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए यह निरीक्षण किया गया है। जो कमियां मिली हैं, उनके लिए संबंधित सेवा प्रदाता कंपनी को नोटिस देकर पेनल्टी लगाई जाएगी।

60 वर्ष पुराना भूमि विवाद हल

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा आयोजित पण्डित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाड़ा- 2025 के अन्तर्गत ग्राम पंचायत पँवालिया के ग्राम जयसिंहपुरा उर्फ रूपवास में मंगलवार दिनांक 08.07.2025 को आयोजित शिविर में 73 बीघा कृषि भूमि को लेकर ग्रामवासी गोपाल, दयाल व हरजीराम वगैरह में लगभग 55-60 वर्षो से पारिवारिक विवाद चल रहा था, जिसे लेकर उक्त सभी कृषक अभियान में उपखण्ड अधिकारी सांगानेर हिम्मतसिंह के समक्ष प्रस्तुत हुए। मौके पर उपखण्ड अधिकारी तथा सरपंच पँवालिया रामराज चौधरी, भू.अ.निरीक्षक विशाल सिंहल तथा पटवारी हल्का राहुल गंगावत के प्रयास स्वरूप उक्त भूमि के विभाजन के लिए सहमति बनी।

सभी खातेदार सहमत हुए, जिसमे मौके पर ही सहमति विभाजन स्वीकृत कर राजस्व रिवार्ड में अमलदरामद किया गया। इस अवसर पर समस्त खातेदारों द्वारा वर्षों पुराने विवाद के निस्तारण पर प्रशासन व पंचायत को धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का सभी परिवादियों ने हृदय से आभार व्यक्त किया।

विद्यार्थी जागरुकता कार्यक्रम का किया आयोजन

जयपुर। राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना के अधिशाषी अभियंता पुरषोत्तम के निर्देशानुसार मंगलवार को गायत्री कॉन्वेंट स्कूल में विद्यार्थी जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया । जिसमें सामुदायिक जागरूकता एवं जन सहभागिता इकाई की ए एस डी कृष्णा सैनी ने विद्यार्थियों को बताया कि घरों के सेप्टिक टैंकों से निकलने वाला मल-जल को टैंकों में भरकर शहर से बाहर प्रतापपुरा में बन चुके एफ.एस.टी.पी प्लांट में ले जाया जाएगा। वहां इसको ट्रीट कर खाद बनाया जाएगा तथा खेती में उपयोग लिया जाएगा। सेप्टिक टैंकों में जमा मल-जल से जो गंदगी होती थी उससे निजात मिलेगी। पर्यावरण स्वच्छ रहेगा। साथ ही एफ एस टी पी प्लांट के टोल फ्री नंबर 18001804891 के बारे में जानकारी दी। इसके साथ ही व्यक्तिगत स्वच्छता एवं साफ़ सफ़ाई के बारे में जागरूक किया।

केंद्रीय सहकारी बैंको को बकाया ब्याज के 765.54 करोड़ भुगतान की रखी माँग

जयपुर। ऑल राजस्थान कोआपरेटिव बैंक एम्पलाईज यूनियन व ऑफ़िसर्स एसोसिएशन के प्रांतीय महासचिव सहकार नेता सूरज भान सिंह आमेरा के नेतृत्व में यूनियन के प्रतिनिधिमंडल ने नव नियुक्त प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गलारिया से मुलाक़ात की , डेलीगेशन में आमेरा के साथ सौरभ प्रजापत विकास जांगड़ा पलाश कोचर मुकेश पीपलीवाल संगठन पदाधिकारी रहे ।

आमेरा ने वित्त सचिव से पिछले 16वे वेतन समझौते के तहत बैंक कार्मिको को देय जेएआईआईबी सीएआईआईबी योग्यता पर वेतन वृद्धि का लंबित लाभ बहाल करने , पिछली दो किसान ऋण माफ़ी योजना के बकाया ब्याज के 765.54करोड़ रुपये 29 केंद्रीय सहकारी बैंकों को भुगतान की माँग रखी , साथ ही बजट घोषणा के 25000करोड़ रुपये ब्याजमुक्त

सहकार नेता आमेरा ने प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गेलारिया से मुलाक़ात की।

फ़सली ऋण 2.5 हज़ार करोड़ गोपालन ऋण वितरण व 200करोड़ रुपये दीर्घकालीन ऋण वितरण के लिए केंद्रीय सहकारी बैंकों को समुचित वित्तीय सहायता व धन उपलब्ध करवाने की माँग रखी , सीसीबी के पास राज्य सरकार की बजट घोषणा की पालना में ऋण वितरण के लिए आर्थिक संसाधन धन उपलब्ध ही नहीं है । सहकारी बैंकों की आर्थिक स्थिति सरकारी घोषणा की पालना में कमजोर हो रही है जिसके लिए सरकार से वित्तीय मदद की जरुरत है । वित्त सचिव ने सभी मुद्दों को दिखाने का आश्वाशन दिया ।

शिक्षक भर्ती पेपर लीक मामले में ढाका को जमानत नहीं

जयपुर। सीबीआई मामलों की विशेष अदालत क्रम-3, महानगर प्रथम ने द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती-2022 पेपर लीक से जुडे मामले में आरोपी ओमप्रकाश ढाका को जमानत देने से इनकार कर दिया है।

पीठासीन अधिकारी खगेन्द्र कुमार शर्मा ने अपने आदेश में कहा कि आरोपी पर पेपर लीक के कई प्रकरण दर्ज हुए हैं। वहीं एसओजी ने उस पर 75 हजार रुपए का ईनाम भी घोषित किया था। पिछले कुछ सालों में सरकारी भर्तियों के पेपर लीक संगठित गिरोह के माध्यम से किए जा रहे हैं। जिसके चलते काबिल और हकदार नौजवान नौकरी से वंचित हो रहे हैं। ऐसे में आरोपी को जमानत पर रिहा नहीं किया जा सकता।

जमानत प्रार्थना पत्र में कहा गया कि एसओजी के पास प्रार्थी के खिलाफ कोई ठोस साक्ष्य नहीं है। उससे पूछताछ की भी कोई आवश्यकता नहीं है। प्रकरण में कई अन्य आरोपी अधीनस्थ अदालत से ही जमानत पर रिहा हो चुके हैं। वहीं उसके खिलाफ दर्ज आधा दर्जन मामलों में से दो प्रकरणों में वह दोषमुक्त हो चुका है। वह नौजवान व्यक्ति है और गत जनवरी माह से जेल में बंद है। उसके जेल में अन्य कुख्यात अपराधियों के साथ रहने से उसके व्यक्तित्व पर विपरीत प्रभाव पडेगा। ऐसे में उसे जमानत पर रिहा किया जाए। जिसका विरोध करते हुए विशेष लोक अभियोजक बीएस चौहान ने कहा कि पेपर लीक के दिन आरोपी मौके पर मौजूद था। इसके अलावा पेपर लीक को लेकर सोशल मीडिया पर हुई चैट भी एसओजी के पास है। घटना के बाद आरोपी ने जांच में असहयोग करने की मंशा से लंबी फरारी काटी और उस पर इनाम घोषित करना पडा। यदि उसे जमानत दी गई तो वह गवाहों को प्रभावित कर सकता है। इसके अलावा यह जमानत लेकर फिर से फरार हो सकता है। ऐसे में उसे जमानत नहीं दी जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने आरोपी को जमानत पर रिहा करने से इनकार कर दिया है।

केबिनेट मंत्री कुमावत ने सरकारी आवास पर सुनी समस्याएं

जयपुर। राजस्थान सरकार के पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि राज्य सरकार व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आमजन की परिवेदनाओं के निस्तारण के लिए पूरी तरह से संवेदनशील हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा है कि प्रदेश में अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति की समस्या का समाधान हो, इसके लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। इस दौरान प्राप्त होने वाली शिकायतों के निस्तारण के लिए कार्य किया जा रहा है। मंत्री कुमावत ने मंगलवार को सिविल लाइंस स्थित अपने सरकारी आवास पर जनसुनवाई के दौरान कहा कि सरकार की ओर से आमजन को राहत देने के लिए जनसुनवाई की व्यवस्था की गई है।

जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में प्रदेशभर से लोग पहुंचे। जनसुनवाई में शिक्षा, चिकित्सा, जल आपूर्ति, पेंशन, सड़क निर्माण, प्रशासनिक सेवाओं सहित अनेक विषयों से जुड़ी शिकायतें सामने आईं। केबिनेट मंत्री ने हर आवेदक की बात गंभीरता से सुनी और मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कई प्रकरणों में तुरंत कार्रवाई की पहल कर दी गई। हर सोमवार, मंगलवार व बुधवार को नियमित रूप से होने वाली जनसुनवाई प्रदेश में संवेदनशील सुशासन की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है। जनसुनवाई में भी बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया और समस्याओं के समाधान को लेकर आश्वस्त नजर आए। इस दौरान विधायक जयदीप बिहाणी, विधायक प्रताप सिंह सिंघवी एवं जयपुर जिला प्रमुख रमा देवी चोपड़ा ने मंत्री जोराराम कुमावत से शिष्टाचार भेंट की।

मंत्री कुमावत सिविल लाइंस स्थित अपने सरकारी आवास पर जनसुनवाई करते हुए।

- **विधायकों ने भी इलाके समस्याओं से कराया अवगत**

दिनभर उमस के बाद शाम को हुई तेज़ बारिश । कई दिनों के बाद लोगो को गर्मी से राहत मिली। जेएलएन मार्ग पर बारिश में गुजरते वाहन।